श्री वर्द्धमान शिक्षण समिति (रजि.)
अहिंसा
पदमं नाणं तओ दया
ब्यावर (राज.)
॥तमसो मा ज्योतिर्गमय॥

ब्यावर राजस्थान से प्रकाशित

वर्द्धमान समाचार

शिक्षा • संस्कार • सेवा • समर्पण

साप्ताहिक डिजिटल समाचार-पत्र | सोमवार, 10 अगस्त 2026 | वर्ष : 1 | अंक : 5

भंवरलाल गोठी ने रचा कीर्तिमान

7 पदकों के साथ जूडो में बढ़ाया मान

3 स्वर्ण

1 रजत

3 कांस्य

वड़ोदरा। गुजरात में आयोजित सीबीएसई वेस्ट जोन जूडो प्रतियोगिता 2026 में भंवरलाल गोठी पब्लिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल के खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए विद्यालय, शहर एवं राजस्थान का नाम गौरवान्वित किया। खिलाड़ियों ने कुल 3 स्वर्ण, 1 रजत एवं 3 कांस्य पदक जीतकर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया।

प्रतियोगिता में अंडर-19, 36 किलो भार वर्ग में अंशिका गहलोत ने स्वर्ण पदक जीतकर शानदार शुरुआत की। अंडर-19, 45 किलो भार वर्ग में कनक चौहान ने भी स्वर्ण पदक हासिल किया।

प्रतियोगिता के तीसरे दिन अंडर-11 44 किलोग्राम भार वर्ग में ऋत्विका भट्ट ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया। ऋत्विका अब आगामी राष्ट्रीय जूडो प्रतियोगिता (हरियाणा) में वेस्ट जोन एवं राजस्थान का प्रतिनिधित्व करेंगी।

अंडर-19 : 44 किलोग्राम भार वर्ग में प्राची सोनी ने रजत पदक जीतकर राष्ट्रीय स्तर हेतु अपना स्थान सुनिश्चित किया। इसके अलावा अंडर-19, 48 किलोग्राम भार वर्ग में सोनाक्षी तिवारी, अंडर-17, 52 किलोग्राम भार वर्ग में निकुंज गहलोत तथा अंडर-19, 66 किलोग्राम भार वर्ग में रेयांक शर्मा ने कांस्य पदक जीतकर विद्यालय की उपलब्धियों में चार चाँद लगा दिए।

विद्यालय प्राचार्य धर्मेन्द्र शर्मा ने कहा कि हमारे विद्यार्थियों ने वेस्ट जोन जूडो प्रतियोगिता में जो उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है, वह उनकी मेहनत, अनुशासन और समर्पण का प्रतिफल है। 7 पदकों की यह उपलब्धि न केवल विद्यालय के लिए गौरव का विषय है, बल्कि पूरे क्षेत्र के लिए प्रेरणादायक भी है। हमें विश्वास है कि हमारे खिलाड़ी राष्ट्रीय स्तर पर भी इसी प्रकार उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए विद्यालय, शहर एवं प्रदेश का नाम रोशन करेंगे।

विद्यालय प्रबंधन एवं समस्त स्टाफ ने विजेता खिलाड़ियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ दीं है।

डॉ. नरेंद्र पारख
मंत्री : श्री वर्द्धमान शिक्षण समिति

“हमारे विद्यार्थियों ने जूडो में अपने खेल कौशल का परिचय देते हुए बता दिया कि गोठी स्कूल हर क्षेत्र में आगे है। राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में शहर व प्रदेश का नाम रोशन हुआ है। पूरी टीम को हार्दिक बधाई।

हमारे सप्तऋषि सितारे

ऋत्विका भट्ट
गोल्ड मेडल

अंशिका गहलोत
गोल्ड मेडल

कनक चौहान
गोल्ड मेडल

प्राची सोनी
सिल्वर मेडल

रियंक शर्मा
ब्रॉंज मेडल

सोनाक्षी तिवारी
ब्रॉंज मेडल

निकुंज गहलोत
ब्रॉंज मेडल

सम्मान : विद्यालय पहुंचने पर स्वागत

ब्यावर। जूडो प्रतियोगिता में 3 स्वर्ण, 1 रजत एवं 3 कांस्य सहित कुल 7 पदक जीतने वाले पदकवीरों का प्रतियोगिता के बाद स्कूल लौटने पर सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर विद्यालय परिवार ने खिलाड़ियों का माल्यार्पण कर एवं मिठाई खिलाकर स्वागत किया। विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने तालियों के साथ खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया।

जूडो-प्रशिक्षक श्री गौतम चंद ने बताया कि अंडर-11 वर्ग में ऋत्विका भट्ट (40 किग्रा प्लस), अंडर-17 वर्ग में अंशिका गहलोत (36 किग्रा) तथा अंडर-19 वर्ग में कनक चौहान (45 किग्रा) ने स्वर्ण पदक जीते। अंडर-19 वर्ग में प्राची सोनी (44 किग्रा) ने रजत पदक प्राप्त किया। वहीं निकुंज गहलोत (अंडर-17, 52 किग्रा), सोनाक्षी तिवारी (अंडर-19, 48 किग्रा) एवं रियंक शर्मा (अंडर-19, 66 किग्रा) ने कांस्य पदक अर्जित किए। प्रतियोगिता में टीम मैनेजर के रूप में श्रीमती यामिनी शर्मा ने सहयोग किया अन्य विद्यार्थियों ने विजेताओं को शुभकामनाएं दी।

श्री वर्द्धमान शिक्षण समिति द्वारा संचालित विभिन्न शैक्षणिक इकाइयों का अवलोकन करने पहुंचे विद्या भारती चित्तौड़ प्रांत के पदाधिकारियों एवं 12 जिलों के जिला प्रवासियों का स्वागत एवं सम्मान किया गया। प्राचार्य डॉ. आर.सी. लोढ़ा ने अतिथियों का माल्यार्पण एवं स्मारिका भेंट कर स्वागत किया।

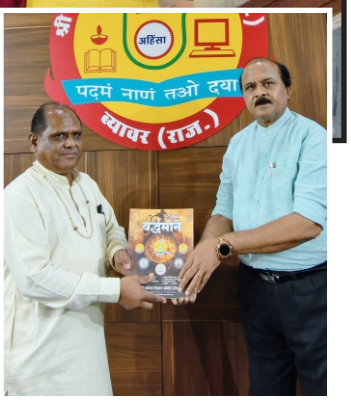

आधुनिक शैक्षणिक व्यवस्थाओं से अभिभूत हुए विद्या भारती चित्तौड़ प्रांत के पदाधिकारी

ब्यावर। श्री वर्द्धमान कन्या महाविद्यालय, वर्द्धमान गर्ल्स ,स्कूल, वर्द्धमान रूट्स, वर्द्धमान फैशन डिजाइन एवं मेकअप आर्टिस्ट संस्थान सहित विभिन्न शैक्षणिक इकाइयों का अवलोकन करने पधारे प्रांत निरीक्षक नवीन कुमार झा, सचिव श्मानेंगे पटेल, विद्या भारती संस्थान अजमेर के जिला मंत्री मनोज कुमार टेलर तथा ब्यावर विद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष रमेश चंद्र भराडिया सहित 12 जिलों के जिला प्रवासी (जिला सचिव) ने समिति के सभी सदस्यों की सराहना की।

पदाधिकारियों ने विभिन्न शैक्षणिक इकाइयों का अवलोकन करते हुए न्यूनतम शिक्षण शुल्क पर संचालित रोजगारोन्मुखी पाठ्यक्रमों, आधुनिक प्रयोगशालाओं, पुस्तकालय एवं छात्रा-केंद्रित शिक्षण व्यवस्थाएं देखकर अभिभूत हुए। पदाधिकारियों ने कहा कि सुलभ शुल्क पर आधुनिक एवं रोजगारोन्मुखी शिक्षा उपलब्ध कराना श्री वर्द्धमान शिक्षण समिति की दूरदर्शी सोच और शिक्षा के प्रति समर्पण का उदाहरण है। उन्होंने महिला शिक्षा, कौशल विकास, तकनीकी शिक्षा एवं व्यक्तित्व निर्माण के क्षेत्र में किए जा रहे प्रयासों को सराहा।

प्राचार्य डॉ. आर.सी. लोढ़ा ने कहा कि विद्या भारती चित्तौड़ प्रांत के पदाधिकारियों एवं 12 जिलों के जिला प्रवासियों का मार्गदर्शन शिक्षा की गुणवत्ता, संस्कारों के संवर्धन एवं शैक्षणिक कार्यों को नई दिशा देने में महत्वपूर्ण रहेगा।

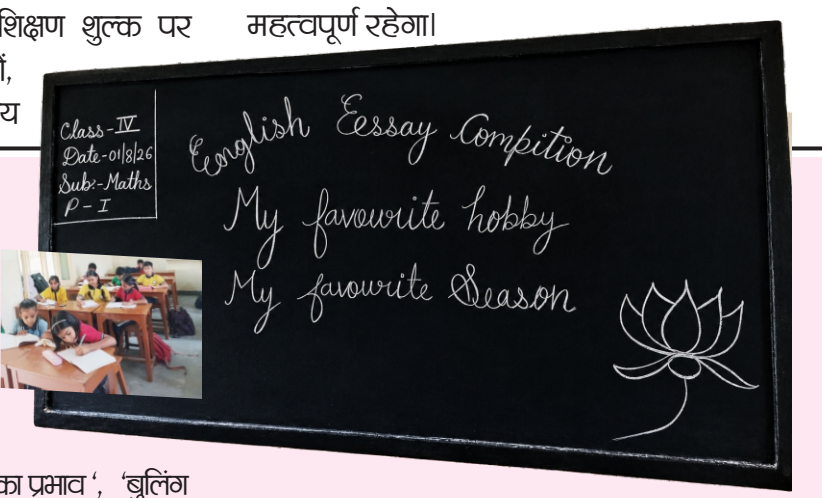

अंग्रेज़ी निबंध लेखन प्रतियोगिता

नाज़ का सफल आयोजन

विद्यार्थियों ने दिखाई उत्कृष्ट प्रतिभा

ब्यावर। श्री वर्द्धमान शिक्षण समिति, ब्यावर द्वारा संचालित श्री नृसिंह अग्रसेन जैन विद्यापीठ में कक्षा 1 से 12 तक के विद्यार्थियों के लिए **अंग्रेज़ी निबंध लेखन प्रतियोगिता** का आयोजन किया गया जिसमें विद्यार्थियों ने पूरे उत्साह, आत्मविश्वास व अनुशासन के साथ भाग लिया। विभिन्न आयु वर्ग एवं कक्षाओं के अनुरूप अलग-अलग विषय निर्धारित किए गए जिन पर विद्यार्थियों ने अपनी कल्पनाशीलता, ज्ञान, भाषा दक्षता तथा मौलिक विचारों का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

कक्षा 1 एवं 2 के विद्यार्थियों के लिए 'मेरा परिवार और मित्र ', कक्षा 3-5 के लिए 'मेरा पसंदीदा मौसम' एवं 'मेरा पसंदीदा शौक' , कक्षा 6-8 के लिए 'स्वस्थ जीवन शैली' तथा 'क्या पढ़ने से याददाश्त बढ़ती है? ' जबकि कक्षा 9-12 के विद्यार्थियों के लिए 'आत्म-सम्मान एवं मानसिक स्वास्थ्य पर सोशल मीडिया का प्रभाव ', 'बुलिंग (धौंस जमाना/परेशान करना): कारण, मनोवैज्ञानिक प्रभाव एवं रोकथाम के उपाय' तथा 'क्या समाज डिजिटल उपकरणों पर अत्यधिक निर्भर होता जा रहा है?' जैसे समसामयिक एवं विचारोत्तेजक विषय निर्धारित किए गए थे।

अंग्रजी निबंध लेखन प्रतियोगिता का कक्षावार परिणाम

कक्षा-1 व 2
प्रथम - दक्षेष
द्वितीय - तनिष सिंह
तृतीय - लविश लाम्बा

कक्षा-3 से 5
प्रथम - काव्या शर्मा
द्वितीय - केशवी खत्री
तृतीय - मंजीता चौहान

कक्षा-6 से 8
प्रथम - वैभव गौर
द्वितीय - भाविक मेवाड़ा
तृतीय - अवनीत कौर

कक्षा-9 से 12
प्रथम - राजवीर सिंह
द्वितीय - अनन्या
तृतीय - रिद्धि कृपलानी

विद्यालय की प्रधानाचार्या डॉ. निवेदिता पाठक ने सभी प्रतिभागियों एवं विजेता विद्यार्थियों को शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि ऐसी प्रतियोगिताएँ विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास, भाषाई दक्षता तथा आत्मविश्वास को सुदृढ़ बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को भविष्य में भी शैक्षणिक एवं सह-शैक्षणिक गतिविधियों में उत्साहपूर्वक भाग लेकर अपनी प्रतिभा को निरंतर निखारने के लिए प्रेरित किया।

भंवरलाल गोठी पब्लिक सी. सै. स्कूल में विविध आयोजन

मेहंदी से मैदान तक चमकी प्रतिभा

ब्यावर। श्री वर्द्धमान शिक्षण समिति द्वारा संचालित भंवरलाल गोठी पब्लिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल में विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास को ध्यान में रखते हुए विभिन्न शैक्षणिक एवं सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों के अंतर्गत अनेक प्रतियोगिताओं का आयोजन बड़े उत्साह एवं उमंग के साथ किया गया।

कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में रचनात्मकता, आत्मविश्वास, स्वच्छ प्रतिस्पर्धा एवं टीम भावना का विकास करना था। इसी क्रम में कक्षा 6 से 12 तक के विद्यार्थियों के लिए मेहंदी प्रतियोगिता तथा बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट प्रतियोगिता आयोजित की गई।

वहीं कक्षा 9 से 12 तक के विद्यार्थियों के लिए हैंडबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यार्थियों ने खेल भावना का उत्कृष्ट परिचय देते हुए बढ़-चढ़कर भाग लिया। प्रतियोगिता के समन्वयक समीर कुमार ने बताया कि प्रथम स्थान पर नवकार हाउस व द्वितीय स्थान पर सम्यक हाउस रहा।

मेहंदी प्रतियोगिता में छात्राओं ने अपनी सृजनात्मकता एवं कलात्मक कौशल का सुंदर प्रदर्शन किया। जटिल एवं आकर्षक डिज़ाइनों के माध्यम से उन्होंने अपनी प्रतिभा का प्रभावशाली परिचय दिया। प्रतियोगिता में जूनियर वर्ग में प्रथम स्थान दिव्या कंवर, द्वितीय स्थान चार्वी मुणोत तथा तृतीय स्थान भव्या कुमावत एवं मोक्षिता शर्मा रहे, सीनियर वर्ग में प्रथम स्थान वैष्णवी जांगिड़, द्वितीय स्थान सृष्टि सोनी एवं तृतीय स्थान दक्षिता भाटी व वैदिका पुरविया ने प्राप्त किया। मेंहदी प्रतियोगिता में निर्णायक की भूमिका मोनिका दाधीच व बीना जैन ने निभायी।

इसी प्रकार बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने अनुपयोगी वस्तुओं से उपयोगी एवं आकर्षक सामग्री बनाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। जूनियर वर्ग में प्रथम स्थान भास्कर जोशी, द्वितीय स्थान सार्थक बुरड़ तथा तृतीय स्थान मैत्रिक जैन ने प्राप्त किया। वहीं सीनियर वर्ग में प्रथम स्थान अरनम जैन एवं मनन जैन तथा द्वितीय स्थान अक्षत भंसाली रहे। बेस्ट आउट ऑफ़ वेस्ट में निर्णायक की भूमिका प्रीति शर्मा व कविता ने निभायी।

हर विद्यार्थी अपने भीतर एक अनलिखी कहानी लेकर आता है

डॉ.आर.सी. लोढ़ा
प्राचार्य
श्री वर्द्धमान कन्या पीजी कॉलेज

शिक्षण संस्थान का उद्देश्य केवल शिक्षा देना नहीं, बल्कि हर विद्यार्थी को उसकी प्रतिभा पहचानने और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने का अवसर देना है। हमारा प्रयास है कि सभी बच्चें ज्ञान के साथ संस्कार, नेतृत्व, निर्णय क्षमता और सामाजिक उत्तरदायित्व भी सीखें।

गत सप्ताह श्री वर्द्धमान शिक्षण समिति के तत्वावधान में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों ने संस्था की उपलब्धियों में एक और अध्याय जोड़ा। अपनी जिम्मेदारियों के समुचित निर्वहन और विद्यार्थियों की प्रगति से मन को संतोष मिला। बच्चों की सक्रिय सहभागिता के साथ माता-पिता की कार्यक्रमों में उत्साहपूर्ण शिरकत ने पूरे सप्ताह को गतिविधियों और उपलब्धियों से परिपूर्ण बनाया। गत सप्ताह संस्था के लिए बेहद संतोषप्रद और प्रेरणादायी रहा।

प्रकृति से जुड़ाव का सुंदर प्रयास

बच्चों द्वारा औषधीय पौधों से सजा परिसर

ब्यावर। श्री वर्द्धमान शिक्षण समिति द्वारा संचालित भंवरलाल गोठी पब्लिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल में गुरुवार को प्रकृति संरक्षण और स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से औषधीय पौधारोपण कार्यक्रम का उत्साहपूर्वक आयोजन किया गया। यह आयोजन न केवल पर्यावरण संरक्षण का संदेश लेकर आया, बल्कि विद्यार्थियों में प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता का भी सशक्त माध्यम बना।

इस अवसर पर विद्यालय परिसर में अश्वगंधा, नीम, गिलोय, जामुन, पत्थरचट्टा, तुलसी, गुड़हल, एलोवेरा एवं अशोक जैसे बहुमूल्य औषधीय एवं पर्यावरण-हितैषी पौधे रोपित किए गए, जिससे परिसर हरियाली और सकारात्मक ऊर्जा से सराबोर हो उठा।

इस अवसर पर प्राचार्य धर्मेन्द्र शर्मा ने अपने प्रेरणादायक संदेश में कहा कि पौधारोपण केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि प्रकृति के प्रति हमारी जिम्मेदारी का प्रतीक है। औषधीय पौधे हमें न केवल स्वास्थ्य लाभ प्रदान करते हैं, बल्कि हमें प्रकृति के साथ संतुलित जीवन जीने की सीख भी देते हैं। आज के विद्यार्थी ही कल के पर्यावरण संरक्षक हैं, और ऐसे प्रयास उन्हें जिम्मेदार नागरिक बनने की दिशा में प्रेरित करते हैं।

कार्यक्रम में विद्यालय के छात्र-छात्राओं, प्रधानाध्यापक, उप-प्रधानाचार्य तथा समस्त शिक्षक-शिक्षिकाओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। जिसमें सुनीता चौधरी, समीर, रेणु कोठारी, पिंकी मुरारका , निशा पाराशर, सुखजीत कौर, अदिति बंसल, रेखा माथुर सहित अनेक शिक्षक-शिक्षिकाओं और विद्यार्थियों ने मिलकर पौधे रोपे तथा उनके संरक्षण और नियमित देखभाल का संकल्प लिया।

श्री वर्द्धमान कन्या महाविद्यालय की 17 कैडेट्स का एनसीसी के लिए चयन

अनुशासन, नेतृत्व और राष्ट्रसेवा की नई उड़ान

ब्यावर। श्री वर्द्धमान शिक्षण समिति द्वारा संचालित श्री वर्द्धमान कन्या महाविद्यालय, ब्यावर में 5 राज गर्ल्स बटालियन, एनसीसी, उदयपुर द्वारा एनसीसी भर्ती प्रक्रिया का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया।

इस भर्ती प्रक्रिया में बड़ी संख्या में प्रथम वर्ष की छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर भारतीय सेना के अनुशासन, नेतृत्व एवं राष्ट्रसेवा की भावना से जुड़ने की अपनी इच्छा व्यक्त की। भर्ती प्रक्रिया का संचालन गर्ल्स कैडेट इंस्ट्रक्टर जीसीआई शालिनी सक्सेना के निर्देशन में किया गया।

इस दौरान हवलदार हरीश कुमार एवं हवलदार मौर्य कुमार की गरिमामयी उपस्थिति रही। उन्होंने पूरी चयन प्रक्रिया को निष्पक्ष एवं सुव्यवस्थित ढंग से सम्पन्न कराया तथा छात्राओं का उत्साहवर्धन किया।

एनसीसी भर्ती के अंतर्गत छात्राओ की विभिन्न चरणों में गहन परीक्षा ली गई। सबसे पहले छात्राओं की शारीरिक दक्षता (दौड़) के माध्यम से उनकी सहनशक्ति एवं फिटनेस का मूल्यांकन किया गया। इसके पश्चात लिखित परीक्षा आयोजित की गई, जिसमें सामान्य ज्ञान, एनसीसी के प्रति जागरूकता तथा बौद्धिक क्षमता का परीक्षण किया गया। अंतिम चरण में व्यक्तिगत साक्षात्कार के माध्यम से अभ्यर्थियों के आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता, अनुशासन, संवाद कौशल एवं राष्ट्रसेवा के प्रति उनके दृष्टिकोण का आकलन किया गया।

भर्ती प्रक्रिया के सभी चरणों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली 17 छात्राओं (कैडेट्स) का एनसीसी के लिए चयन किया गया। चयनित छात्राओं ने अपनी शारीरिक क्षमता, मानसिक दक्षता, आत्मविश्वास एवं अनुशासन का प्रभावशाली प्रदर्शन करते हुए चयनकर्ताओं को प्रभावित किया।

इस अवसर पर महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. आर.सी. लोढ़ा ने कहा कि एनसीसी केवल एक प्रशिक्षण कार्यक्रम नहीं, बल्कि छात्राओं में अनुशासन, नेतृत्व क्षमता, आत्मविश्वास एवं राष्ट्रसेवा की भावना विकसित करने का सशक्त माध्यम है।

श्री वर्द्धमान शिक्षण समिति के मंत्री डॉ. नरेन्द्र पारख ने कहा कि एनसीसी युवाओं में अनुशासन, नेतृत्व, आत्मविश्वास एवं राष्ट्रभक्ति जैसे श्रेष्ठ संस्कारों का विकास करने का सशक्त माध्यम है। वर्द्धमान शिक्षण समिति सदैव छात्राओं के सर्वांगीण विकास के लिए शिक्षा के साथ-साथ ऐसी गतिविधियों को प्रोत्साहित करती रही है, जो उन्हें एक जिम्मेदार नागरिक और सक्षम नेतृत्वकर्ता बनने की दिशा में प्रेरित करें।

महाविद्यालय परिवार ने विश्वास व्यक्त किया कि चयनित छात्राएँ एनसीसी के माध्यम से महाविद्यालय का नाम राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित करेंगी तथा अनुशासन, सेवा और समर्पण की भावना के साथ समाज एवं राष्ट्र के विकास में अपनी सक्रिय भूमिका निभाएँगी।

नौनिहालों के भविष्य हेतु : वर्द्धमान रूट्स स्कूल में नर्सरी ओरिएंटेशन कार्यक्रम

अभिभावकों संग भविष्य की मजबूत नींव

ब्यावर। वर्द्धमान रूट्स स्कूल में नर्सरी कक्षा के नवप्रवेशी विद्यार्थियों के अभिभावकों हेतु ओरिएंटेशन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में अभिभावकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। विद्यालय परिवार ने सभी अभिभावकों का आत्मीय एवं गर्मजोशी से स्वागत करते हुए उन्हें विद्यालय परिसर, शिक्षण पद्धति तथा बच्चों के सर्वांगीण विकास से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियाँ साझा कीं।

विद्यालय की प्राचार्या श्वेता नाहर ने कहा कि बच्चे के विकास में विद्यालय और अभिभावकों की भूमिका समान रूप से महत्वपूर्ण होती है। जब दोनों मिलकर बच्चों का मार्गदर्शन करते हैं, तो वे पढ़ाई के साथ-साथ अच्छे संस्कार, अनुशासन, आत्मविश्वास व जिम्मेदारी जैसे गुण भी सीखते हैं।

प्राचार्या ने अभिभावकों से बातचीत के दौरान उनकी जिज्ञासाओं का समाधान किया और बच्चों की पढ़ाई, व्यवहार, दिनचर्या तथा भावनात्मक विकास से जुड़े कई उपयोगी सुझाव दिए। उन्होंने अभिभावकों से बच्चों के साथ समय बिताने, उनकी बात ध्यान से सुनने और उन्हें हमेशा प्रोत्साहित करने का आग्रह किया। विद्यालय और अभिभावकों का एकमात्र लक्ष्य बच्चों का सर्वांगीण विकास होना चाहिए। जब दोनों पक्ष समान समर्पण, सहयोग एवं सकारात्मक सोच के साथ कार्य करते हैं, तभी बच्चे शिक्षा के साथ-साथ संस्कार, नैतिकता और उत्कृष्ट व्यक्तित्व का विकास कर समाज एवं राष्ट्र के आदर्श नागरिक बनते हैं।

अभिभावकों ने भी कार्यक्रम में सक्रिय भागीदारी निभाई और अपने विचार एवं सवाल साझा किए। उन्होंने बताया कि इस ओरिएंटेशन से उन्हें विद्यालय की शिक्षण पद्धति, गतिविधियों और बच्चों के विकास को लेकर बेहतर जानकारी मिली। कार्यक्रम का समापन बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के लिए विद्यालय और अभिभावकों के मिलकर कार्य करने के संकल्प के साथ हुआ।